भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 3358

24 मार्च 2021 ,को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादों की कीमतों में वृद्धि

3358 श्री कनकमेदला रवींद्र कुमार:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इस्पात उत्पादों की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों विशेषत: निर्माण व अवसंरचना क्षेत्र और इंजीनियरिंग क्षेत्र के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का इस्पात की कीमतें कम करने के लिए इस्पात विनिर्माताओं को समझाने का कोई विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (ड़): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र हैकच्चे माल के ,जहाँ मूल्य वैश्विक बाजार की स्थिति , बिजली और ईंधन लागत आदि से निर्धारित होते हैं। ,लॉजिस्टिक लागत ,मूल्यों के रुझानों चक्रीय (साईक्लिकल) क्षेत्र होने के कारण, इस्पात की कीमतें भी मांग और आपूर्ति में आए बदलाव के अनुसार होती हैं। कोविड 19-वैश्विक महामारी और उसके परिणामस्वरूप लॉकडाउन उपायों के चलतेआपूर्ति , कच्चे माल और सक्रिय पूँजी ,मानव संसाधन ,लॉजिस्टिक ,श्रृंखला की उपलब्धता आदि में बाधा आई थी , जिसके कारण अप्रैलकी अवधि में 2020 ,जुलाई- इस्पात के उत्पादन और खपत/मांग में तेजी से गिरावट आई। सरकार द्वारा किए गए क्रमिक अनलॉकिंग उपायों से इस्पात के उत्पादन और मांग में अब सुधार

आया है और हाल के महीनों के दौरान विगत वर्ष के स्तरों को भी पार कर लिया गया है। अप्रैल - 2021 ,फरवरी और विगत वर्ष की समान अवधि के दौरान तैयार इस्पात की खपत/मांग का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

तैयार इस्पात की खपत/मांग (मिलियन टन में)		
माह	**वित्तीय वर्ष 2019-20**	**वित्तीय वर्ष 2020-21**
अप्रैल	7.33	1.09
मई	8.85	4.79
जून	8.59	6.35
जुलाई	8.57	7.69
अगस्त	9.19	8.16
सितंबर	8.45	8.46
अक्टूबर	8.83	9.38*
नवंबर	7.77	9.17*
दिसंबर	8.65	10.16*
जनवरी	9.17	9.70*
फरवरी	8.55	9.13*
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); *अनंतिम		

2. सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में अन्य बातों के साथ साथ-निम्नलिखित शामिल हैं-:

I. इस्पात उत्पादन में वृद्धि:-

कोविड19- महामारी के कारण अप्रैल से जुलाई 2020 ,के दौरान उत्पादन के विगत वर्ष की समान अवधि सीपीएल)वाईएमटी की तुलना में 35.16 के दौरान (कम हो कर एमटी 22.17 होने के पश्चात, अगस्त 2020 ,से फरवरी 2021 ,के दौरान उत्पादन विगत वर्ष की समान अवधि के दौरान एमटी की तुलना में 60.27बढ़कर एमटी 63.26हो गया है।

II. लौह अयस्क के उत्पादन में वृद्धि:-

(i) एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा नियोजित उत्पादन को 32 एमटी (2019-20) से बढ़ाकर 35 एमटी (2020-21) किया जाना।

(ii) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) को मौजूदा पट्टों से 2.0 एमटी तक लौह अयस्क की बिक्री की अनुमति दी गई है।

(iii) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को 25% फ्रेश फाइंस तथा 70 मिलियन टन डंप को बेचने की अनुमति दी गई है जिनमें से करीब 4.0 एमटी 2020-21 के दौरान खुले बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है।

(iv) ओडिशा में गुआली और जिल्लिंग लंगलोटा लौह अयस्क खदानों को राज्य पीएसयू अर्थात मैसर्स ओएमसी के लिए 10 वर्षों की अवधि के लिए आरक्षित किया गया है। ओड़िशा सरकार ने एनएमडीसी लिमिटेड के पक्ष में तेहराई लौह अयस्क खदान ब्लाकों को आरक्षित करने की संस्तुति की है।

(v) ओडिशा और कर्नाटक में नीलामी-पश्च लौह अयस्क खानों के समाप्त हुए पट्टों का प्रचालन।

III. बीसीडी में कमी तथा व्यापार सुधारात्मक उपायों का निरसन:-

केन्द्रीय बजट 2021-22 में, मूल सीमा-शुल्क (बीसीडी) को नॉन अलॉय, अलॉय तथा स्टेनलेस स्टील के सेमिज, फ्लैट तथा लंबे उत्पादों पर कम करके समान रूप से 7.5% कर दिया गया है। इस्पात स्क्रैप पर बीसीडी में 31 मार्च, 2022 तक की अवधि तक के लिए छूट दी गई है। इसके अतिरिक्त, कुछ इस्पात उत्पादों पर एडीडी तथा सीवीडी को भी निरस्त/अस्थायी रूप से निरस्त कर दिया गया है।

3. जनवरी और फरवरी 2021 के दौरान कुछ इस्पात उत्पाद श्रेणियों के मूल्यों का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित किया गया हैं:

औसत बाजार मूल्य (खुदरा) (रु/टन)				
	टीएमटी (10 एमएम	**एचआर क्वॉइल (2 एमएम)**	**सीआर क्वॉइल (0.63 एमएम)**	**जीपी शीट्स (0.63 एमएम)**
जनवरी '21	50737	59155	67165	67873
फरवरी '21	47466	54714	63642	64797
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी), मूल्य करों को छोड़कर हैं।				

*****